BAOU

ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી

(ગુજરાત સરકાર દ્વારા સ્થાપિત)

"જ્યોતિર્મય" પરિસર,

શ્રી બાલાજી મંદિરની સામે, સરખેજ-ગાંધીનગર હાઇવે,

છારોડી, અમદાવાદ-૩૮૨ ૪૮૧

E-mail: feedback@baou.edu.in Website : www.baou.edu.in

સત્રીયકાર્ય

ફેબ્રુઆરી ૨૦૧૭

पाठ्यक्रम : DCH

शीर्षक : - डिप्लोमा इन क्रिऐटिव राइटिंग इन हिन्दी

(१ से ६ तक पाठयक्रमों के सत्रीर्य कार्य)

<u>અગત્યની સૂચનાઓ</u>

- વિદ્યાર્થીઓએ પોતાના પાઠયક્રમોના સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસકેન્દ્ર/યુનિવર્સિટીની વેબ-સાઈટ પરથી મેળવવાના રહેશે.
- સત્રાંત પરીક્ષા આપવા માટે સ્વાધ્યાય કાર્ય રજુ કરવા ફરજીયાત છે. સ્વાધ્યાય કાર્ય જમા કરાવેલ નહીં હોય, તો પરીક્ષા ફોર્મ સ્વીકારવામાં આવશે નહીં.
- તૈયાર કરેલ સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસકેન્દ્ર પર જમા કરાવવાની છેલ્લી તારીખ <u>૩૦/૦૭/૨૦૧૭</u> છે. આ તારીખ પછી વિદ્યાર્થીઓ દ્વારા મોકલાવેલ સ્વાધ્યાયકાર્યો સ્વીકારવામાં આવશે નહી.
- જમા કરાવેલ સ્વાધ્યાયકાર્યોની પહોંચ અભ્યાસકેન્દ્ર પરથી લેવી ફરજીયાત છે. વિદ્યાર્થીઓએ નિયત સમય મર્યાદામાં સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસકેન્દ્ર પર જમા કરાવવા તેમજ મૂલ્યાંકન થયા બાદ મૂલ્યાંકન પત્રક સાથેના સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસ કેન્દ્ર પરથી અવશ્ય પરત લેવા.
- વિદ્યાર્થી પોતાના સ્વાધ્યાયકાર્યોના ગુણ યુનિવર્સિટીની વેબ-સાઈટ પર જોઈ શકશે.
- ડિપ્લોમા અભ્યાસક્રમમાં પાસ થવા માટે 50 માર્કસ જરૂરી છે.

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

प्रिय विद्यार्थी मित्रो

यह हिन्दी आधार पाठयकम ''डिप्लोमा इन क्रिऐटिंव राइटिंग इन हिन्दी'' पाठयक्रमों **DCH-01,02,03,04,05,06** *का स्वाध्याय कार्य है । इस सत्रीय कार्य में भिन्न-भिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गये हैं । इन सत्रीय कार्य का उदेश्य हिन्दी भाषा के रचना कौशलो पर आपको अधिकार प्राप्त करना और अपनी लेखन क्षमता को समृद्ध बनाना है । इन स्वाध्याय पत्रों में कुछ प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त रुप से देने होगें तथा कुछ प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रुप में देने हैं । उत्तर देते समय भाषा सम्बन्धी त्रुटियों का विशेष ध्यान रखें । कुछ प्रश्न साहित्य के कलापक्ष, भावपक्ष के विश्लेषण से सम्बन्धित हैं पूछे गये प्रश्नों के जवाब आपको अपनी रचनाशीलता से प्राप्त हुए अनुभवों के आधार पर उत्तर लिखना होगा । इस प्रकार प्रश्नों के उत्तर लिखने से जहाँ एक ओर आपकी साहित्य अभिरुचि में वृद्धि होगी वहीं दूसरी ओर आप हिन्दी भाषा के सफल रचनाकार बन सकेगें । स्वाध्याय कार्य तैयार करते समय भाषा लेखन के स्तर पर स्पष्टता एंव शुद्धता का विशेष ध्यान रखें ।*

दूरवर्ती शिक्षण पद्धति में ''डिप्लोमा इन क्रिऐटिंव राइटिंग इन हिन्दी'' अभ्यासकम में उत्तीर्ण होंने के लिए स्वाध्याय कार्य तैयार करना अनिवार्य है । उसके लिए १०० अंक निश्चित हैं तथा पास होंने के लिए ३६ अंक प्राप्त करना जरुरी है परीक्षा परिणाम में उसका भारांक ३०% है । इसलिए स्वाध्याय कार्य तैयार करने के कार्य को गंभीरता पूर्वक करें ।

सत्रीय कार्य पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर निम्न लिखित सूचनाऐं लिखना परम आवश्यक है ।

अनुकमांक ....

नाम ....

पता ....

....

दिनांक ....

पाठ्यकम शीर्षक ....

सत्रीय कार्य कोड ....

अध्ययन केन्द्र का नाम तथा कोड ....

शुभकामनाऐं

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठयक्रम कोड- डी.सी.एच.-०१ **(‘सृजनात्मक लेखेन के सिद्धांत’)**

सत्रीय कार्य कोड- डी.सी.एच.-०१/टी.एम.ए./फेब्रुआरी-२०१७

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/२०१७ **कुल अंक – १००**

सूचना - सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दर्शाये गये हैं

प्रश्न नं-१- निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग-३००-३०० शब्दों में दीजिए :

(क) एक रचनाकार के रुप में आपके लेखन का क्या उदेश्य हैं ? अपने उदेश्य की परिणित आप रचना में किस प्रकार से करते हैं ? स्पष्ट कीजिए । **(10)**

(ख) आपके मन में कोई भाव या विचार अवस्थित है जिसे आप रचना का रुप देना चाहते हैं । इसके लिए सही रुप का निर्णय कैसें करेगें ? उदाहरण द्वारा समझाइए । **(10)**

प्रश्न नं-२ निम्न लिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए ; (20)

(क) कविता में बिंव विधान, (ख) भाषिक संरचनाऐं,

(ग्) निबंध का आरंभ, (घ) रचना और पाठक,

प्रश्न नं-३ निम्न लिखित लघु कविता को ध्यान पूर्वक पढिए और पूछे गये प्रश्नों का जवाब दीजिए (15)

“ मैं जिस घर में जन्मी
बहाँ से
धाकिया दी गई ससम्मान
जिस घर के लोग
आये थे करने अगवानी
और प्रवेश करते ही घर में
बंद हो गए थे द्वार बाहर जाने के लिए
उसी घर में जगह न मिली
पैर टेकने भर को भी ।
दिन भर दोड़ते-दोड़ते
शाम को थके पैर जहाँ थमे
वहाँ से भी खींची जाती रही जमीन
काँपते रहे मेरे पैर
थरथराते रहे घुटने

उमड़ी रही भय की नदी

प्रलय बाहर दिखाई नहीं देती

प्रलय मेरे भीतर है

मैं डूब रही हूँ

और

एक दिन मैं मर जाऊँगी

बिना जिए ही ।"

(क) उर्पयुक्त कविता का मुख्य विषय क्या है

(ख) इस कविता में मानव जीवन की किस प्रवृति को दर्शाया गया हैं ।

(ग) कविता के रुप शिल्प पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

प्रश्न नं-४-निम्न लिखित गद्य खण्ड को ध्यान से पढिए और रचनाकार ने जिस विषय पर अपने विचार प्रकट किए हैं उस सम्बन्ध में अपना मत प्रस्तुत कीजिए । (15)

'इंदिरा सागर बाँध के पहले भी तो बाँध बने हैं बन भी रहे हैं । सैकडों एकड़ जमीन बाँध लील जाता है, खेतिहार निरुपाय बेरोजगार बन जाता है । चँबल पर बाँध बना, भाँखड़ा और नंगल पर भी बाँध बने, काबेरी और टहरी पर भी बाँध बना । विश्व का सबसे सुन्दर बाँध हीराकुंड है । क्या सब बाँध इसी हाहाकार की प्रति ध्वनियाँ हैं । विस्थापित की पीड़ा का बोझ माथे पर लादे असहाय से भी भारी होता है । तन का बोझ धरती पर उतारा भी जा सकता है, । लेकिंन मन पर लदी व्यथा का बोझ पीढी दर पीढी जिदंगी को बोझिल बनाता चलता है । इसलिए बड़े बाँध मनुष्यो की आत्मा को वेदना की अतल गहराइयों में तड़फने को छोड़ देती है ।

प्रश्न नं-५ *आपका बच्चा स्कूल में प्रवेश लेने के लायक हो गया है, इसलिए आप प्रवेश दिलाने के लिए शहर के विभिन्न स्कूलो के चक्कर लगा रहें हैं लेकिंन आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी न होंने से आप प्रवेश के लिए डोनेशन देने में असमर्थ हैं । इस अनुभव कों एक कहानी रुप में प्रस्तुत कीजिए।* **(15)**

प्रश्न नं-६ *कहानी में घटनाओं का वर्णन अधिक महत्वपूर्ण है या उन स्थितियों का जिनमें चरित्र विकसित होते हैं किसी पठित कहानी के उदाहरण द्वारा अपना मत प्रस्तुत कीजिए ।* **(15)**

सत्रीय कार्य

डी.सी.एच.-०२ (फीचर लेखेन)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/२०१७ कुल अंक – १००

सूचना - सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दर्शाये गये हैं (कुल अंक १००)

प्रश्न नं-१- निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग-३००-३०० शब्दों में दीजिए (20)

(क) साक्षात्कार का लेखन

(ख) फीचर और लेख में अन्तर तथा फीचर लेखन के विभिन्न प्रकार

प्रश्न २ निम्न लिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए ; (20)

(अ) यात्रा लेखन की प्रस्तुती ।

(ब) विज्ञान सम्बन्धी फीचर लेखन की भाषा शैली ।

(स) रिपोर्ताज का महत्व ।

(य) फीचर लेखन की विशेषताएँ ।

प्रश्न नं-३ निम्न लिखित बिन्दुओं के आधार पर लगभग ३०० शब्दों में एक फीचर लेख तैयार कीजिए । (20)

(क) गाँव में बाढ एवं दुकाल से पीडित लोंगो का शहर की तरफ कूँच

(ख) शहर में काम हासिंल करने की मुश्किलें, (ग) कम वेतन में अधिक काम,

(घ) ठैकेदारों द्वारा उनका शोषण, (च) आवास की उनकी मुश्किलें,

प्रश्न नं-४ एक ऐसे गाँव की यात्रा पर अपना रिपोर्ताज तैयार कीजिए जहाँ अकाल पड़ने से दो किसानों ने आत्महत्याएँ की हैं । अपने वर्णन में आत्महत्या के कारण अवश्य दशाइए । **(15)**

प्रश्न नं-५ व्यक्ति-चित्र लेखन का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए व्यक्ति-चित्र चयन के आधारों पर प्रकाश डालिए । **(15)**

प्रश्न नं-६ हाल ही मैं आपके द्वारा लिखी गई पुस्तक की लगभग ३०० शब्दों में समीक्षा दीजिए । **(10)**

सत्रीय कार्य

डी.सी.एच.-०३(गद्य साहित्य लेखन: कहानी,नाटक और निबंध)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/2017 कुल अंक – १००

सूचना - सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दर्शाये गये हैं (कुल अंक १००)

प्रश्न नं-१- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग-४००- शब्दों में कीजिए । **(40)**

(क) बाल नाटक की विशेषताओं की चर्चा करते हुए बताइए कि नाटय् कला की बच्चों के लिए क्या उपयोगिता है ।

(ख) कहानी लेखन में निजी अनुभव किस रुप में सहायक हो सकता है अपने अनुभव का व्यापकीकरण किस तरह करेंगे और इस तरह करते समय आप सस्ती लोकप्रियता से केसे बचगें ।

(ग्) बैचारिक निबंध का स्वरुप स्पष्ट करते हुए उसमें बिचार और अनभूति के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए ।

(घ) रंगमंच किसे कहते हैं नाटक और रंगमंच का संबंध बताइए ।

प्रश्न नं-२- नीचे दी गई पक्तिंयों को ध्यान से पढिये और समझाइए इसे ध्यान में रखकर उनको कहानी अथवा नाटच संवाद में विकसित कीजिए । आपका उत्तर लगभग ४०० शब्दों में होंना चाहिए । **(15)**

'आज वे पड़ोसी लगभग दो पहर से घर में नहीं हैं । उनके यहाँ दो-तीन महेमान सरीखे लोग आकार ठहरे हैं । कोई हवड़ – दवड़ नहीं हैं रोज की सी नीस्वता हैं । मैं उठकर अंदर गया । भाभी बाल सुखा रही हैं । फिर पता नही, क्यों उन्होंने पड़ोसी से मेरा संबंध जोड़कर एक गुपचुप ठिठोली की, मैं मन में हँसता बाहर आ गया । तभी वह लड़की और उसकी माँ भी पैक किया हुआ सामान लिए शायद बाजार से लौटी हैं पिता पीछे गये होंगे' ।

शाम और दूसरी सुबह भी उनके यहाँ लोग आते-जाते रहे पर उन्हें ज्यादा नहीं कहा जा सकता । उनके घर साधारण पर्व सरीखा वातावरण उभर आया था फीका-फीका । लेकिंन यह सबको चकित करने वाला समाचार लगा,जब दूध वाले ने बताया कि उस लड़की का व्याह पिछली रात को ही हुआ है । यहीं परेड का कोई बाबू है, आर्य समाज में शादी हुई है । भाभी ने मेरी ओर मजाकिया खेद से देखा और मुझे हँसी आ गई । बड़ी खुलकर हँसी आई यह सोंचकर कि हम सब लोग कितने हयाई हैं ।

प्रश्न नं-०३ नीचे दिए गए गद्यांश, को ध्यान पूर्वक पढिए । इसमें प्रस्तुत तथ्य पर विचार कीजिए और उसके आधार पर एक बाल नाटक तैयार कीजिए । आपका नाटक कम से कम चार पृष्ठों का होंना चाहिए । **(15)**

'कार तैयार करके ठीक आठ बजे रामसिंह ने सूचना दी तो केतकी बेबी को बहला रही थी । बेबी बाजिद थी कि वह भी साथ जायेगी । और केतकी का निश्चित मत था कि सोसायटी में बच्चों को ले जाना अपने और उनके दोंनों के लिए अहितकर है इसलिए उसे हर बार कोइ न कोइ झूठा बहाना बनाना पड़ता है । सोचती है, यह बहुत बुरी बात है । उसने पढा भी है कि बार-बार झूठ बोलने से बच्चों में झूठ बोलने की आदत पड़ जाती है या फिर वे माँ बाप से घृणा करने लगते हैं दोनों बुरी बाते हैं, पर सभा सोसायटी में जब कोई गम्भीर विवाद चल रहा हो या कविता या संगीता का तन्मय कर देने वाला वातावरण छा गया हो तब यदि बेबी शिशु शुलभ चापल्य से नाच गा उठे तो क्या वह दाँत किरकिरा कर देने वाली बात न होगी ? उसे याद है कि किस तरह एक दो मित्र अपने बच्चों को लाकर सोसायटी में सदा हंसी का पात्र बनते रहते हैं । सच तो यह है कि ये न्यूसेसं बन भी जाते हैं ।

बहरहाल किसी तरह एक मोटर और एक तसवीर वाली किताब लाने का वायदा करने पर बेबी केतकी को जाने देने को तैयार हुई ।

प्रश्न नं-४ नीचे कुछ नाट्य संवाद तथा रंग निर्देशन दिए गए हैं । उनका उनका इस्तेमाल करते हुए नाटक लिखने का प्रयास कीजिए इन संवादों का इस्तेमाल आप,अपनी दृष्टि एवं कल्पना के अनकूल कर सकते हैं आपका नाटक समुचित आकार का होंना चाहिए । **(15)**

चपरासी – केस नंबर पाचँ, केश नंबर पाँच, सरकार बनाम झण्डू ....

(वकील अपनी फाइल संभालता हुआ कोर्ट में दाखिल होता है)

ग - तो तुम गरीब आदमी हो ?

वकील : था नहीं, बना दिया

ग - किसने ?

वकील : सरकार ने ?

ग - मैंने

वकील : ना हजूर आपने क्यों, सरकार ने ससुरी सरकार ने अच्छा खासा पाँच बीधा का खेत था । सरकार ने खाली करा लिया ।

ग - क्यों

वकील : *कोई फेक्टरी लग रही है वहाँ पर*

ग - *मुआवजा तो दिया है ।*

वकील : *हाँ मुआवजा दिया है मालिक, चार बीघे का गढढा । मालिक मैं बूढा गरीब आदमी हूँ नहीं तो सरकार का गला घोंट देता ।*

ख : *हाँ हाँ अब जाओ ।*

ग : *नक्सलाइट लगता है ।*

प्रश्न नं.-५ निम्नलिखित गांद्याश को पढिए और यह बताइए कि यह किस विघा से लिया गया है और इस गंद्याश की समीक्षा भी कीजिए । **(15)**

निबंध के विभिन्न प्रकारों की चर्चा करते हुए ललित निबंधों का स्वरुप स्पष्ट कीजिए ।

<u>सत्रीय कार्य</u>

<u>डी.सी.एच.-०४ (रेडियो के लिए लेखन)</u>

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- <u>३०/०७/२०१७</u> ***कुल अंक – १००***

सूचना - सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दर्शाये गये हैं (कुल अंक १००)

प्रश्न नं-१- रेडियो लेखन के प्रमुख उपकरण कौन-कौन से हैं उनका सोदाहरण वर्णन करते हुए । **(20x5=100)**

वर्णन करते हुए जन संचार के माध्यम के रुप में रेडियो लेखन की विशेषताएँ बताइए ।

प्रश्न नं-२ *आपने प्रेमचन्द अथवा अन्य किसी लेखक की पढी हुई कहानी को रेडियो नाट्य में रुपतान्तरित कीजिए ।*

प्रश्न नं-३ *समाज के हर वर्ग को ध्यान में लेते हुए रेडियो द्वारा प्रसारित करने के लिए पाँच विज्ञापन तैयार कीजिए ।*

प्रश्न नं-४ *ग्रामीण श्रोताओं को ध्यान में रखकर १५ मिनट के रेडियो कार्यक्रम की रुपरेखा और आलेख तैयार कीजिए ।*

प्रश्न नं-५ *महिला श्रोताओं के लिए १५ मिनट के रेडियो कार्यक्रम की रुपरेखा और आलेख तैयार कीजिए ।*

सत्रीय कार्य

'डी.सी.एच.'-०५ (विभिन्न सामाजिक वर्गों के लिए लेखन)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/2017   कुल अंक – १००

सूचना - सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दर्शाये गये हैं (कुल अंक-१००)

प्रश्न नं-१- निम्न लिखित प्रश्नों के उतर लगभग ३०० शब्दों में दीजिए । (20)

(क) आपकी दृष्टि में बच्चों के लिए किसतरह की कहानी लिखी जानी चाहिए और क्यों ?

(ख) आप किशोर वय के बच्चों के लिए एक ऐसी कहानी का प्रारुप तैयार कीजिए जिसमें उनके मन की उमंग साहसिकता,भविष्य के स्वप्नों की झलक दिखाई दे ।

प्रश्न नं-२ निम्नलिखित प्रश्नों का जवाब लगभग १५० शब्दों में दीजिए । (20)

(१) किशोर वय की पसंद की कविता,

(२) बच्चों के लिए साहसिक एवं रोमाचंकारी कहानी लेखन,

(३) कामकाजी महिलाओं का विकास में योगदान,

(४) 'लोक साहित्य',

प्रश्न-३ *'गोदान' अथवा 'मैला आँचल' को आधार बनाकर भारतीय ग्रमीण जीवन के सामने उपस्थित समस्याओं का उल्लेख कीजिए जिनसे अभी तक पूरी तरह से मुक्ति नहीं पायी जा सकी है ।* **(20)**

प्रश्न नं-४ निम्नलिखित कहानी को लगभग ३०० शब्दों में लिखिए : (20)

"मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी बेटी मेरे सामने मुँह खोलना तो दूर मेरे सामने खड़े होंने से डरती थी वह आज इस तरह की बात इतनी निर्भोकिता से कह सकेगी । पार्पा हम और आगे पढेंगे ----- बस बाद में मैंने अपनी पत्नी को डाँटा, फटकारा । लेकिंन तीर कमान से निकल चुका था । कहीं अचानक मुझे प्रतीत हुआ कि यदि उसने जबरन शादी की बात पर कुछ कर लिया तो-----"

प्रश्न नं-५ *कामकाजी महिलाओं की मुख्य समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए उन्हें कैसे सुलझाया जा सकता है इस विषय पर एक फीचर लेखन का प्रारुप तैयार कीजिए ।* **(20)**

सत्रीय कार्य

डी.सी.एच.-०६ ('काव्य लेखन')

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/2017 कुल अंक – १००

सूचना - सभी प्रश्नों के उत्त्र दीजिए प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दर्शाये गये हैं (कुल अंक-१००)

निम्नलिखित प्रश्नों के उतर लगभग ३०० शब्दों में दीजिए

प्रश्न नं-१- काव्य भाषा को परिभाषित करते हुए काव्य भाषा को प्रभावित करने वाले घटकों पर विचार कीजिए । **(20)**

प्रश्न नं-२ 'विम्ब' के स्वरुप पर विचार करते हुए आधुनिक कविता में विम्ब की स्थिति पर प्रकाश डालिए । **(20)**

प्रश्न नं-३ मुक्तक की परिभाषा एवं स्वरुप पर विचार करते हुए मुक्तक का स्चना के प्रेरक बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए । **(20)**

प्रश्न नं-४ वस्तुपरक रचना-प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए । **(20)**

प्रश्न नं-५ निम्न लिखित कविता को पढिये और बताइए कि यह कविता आत्मपरक या वस्तुपरक किस श्रेणी की कविता है अपने मत के पक्ष में तर्क दीजिए । (20)

''जिन्दगी के ------

कमरों में अंधेरे

लगाता है चक्कर

कोई एक लगातार

आवाज पेरों की देती है सुनाई

बार बार ------- बार बार

नहीं ही दीखता

किन्तु वह रहा घूम

तिलस्मी खोह में गिरफ्तार कोई एक'' ।१।

-------------------x-----------------------x---------------------